ALL India Institute of Medical Sciences, Rishikesh- 249203

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश -249203

Social Outreach cell

धनवंतरी अभियान

विषय :- डेंगू सेवन प्लस वन जन जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन।
स्थान :- स्वर्ण जयन्ती सभागार नगर निगम ऋषिकेश।
दिनांक :- 10/09/2022

परिचय :- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश के निदेशक महोदया प्रो. डॉ. मीनू सिंह जी के दिशा निर्देशन तथा मार्गदर्शन में सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के डॉ. सन्तोष कुमार द्वारा ऋषिकेश नगर निगम में नगर आयुक्त श्री राहुल गोयल जी के सहयोग से डेंगू सेवन प्लस वन जन जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया।

उद्देश्य :- ऋषिकेश क्षेत्र में बढ़ रहे डेंगू के मामलो को देखते हुए सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग एम्स ऋषिकेश की पहल पर रविवार से सभी क्षेत्रों में महा अभियान शुरू किया जाएगा। एम्स ऋषिकेश के सहयोग से डेंगू सेवन प्लस वन कार्यक्रम के तहत सात दिन तक निरन्तर अभियान चलेगा।

कार्यान्वयन :- ऋषिकेश नगर निगम में दिनांक 10/9/2022 को डेंगू सेवन प्लस जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई। ऋषिकेश के क्षेत्र में बढ़ रहे डेंगू के मामलों को देखते हुए निगम प्रशासन सहित सभी प्रमुख विभाग अलर्ट मोड़ पर आ गए हैं एम्स, ऋषिकेश के डॉ. संतोष कुमार और नगर निगम आयुक्त श्री राहुल कुमार गोयल की पहल पर शनिवार को संयुक्त रणनीति बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर संगोष्ठी की गई। एम्स ऋषिकेश की पहल पर रविवार से सभी क्षेत्रों में महा अभियान शुरू किया। ऋषिकेश के क्षेत्र में अब तक 50 व्यक्तियों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है जिसमें सबसे अधिक मामले अकेले चंद्रेश्वर नगर चंद्रभागा बस्ती क्षेत्र के है।ग्रामीण क्षेत्र में भी डेंगू ने दस्तक दे दी है। बढ़ रहे डेंगू के मामलों ने सभी की चिंता बढ़ा दी है इस मामले में नगर निगम आयुक्त राहुल गोयल जी की पहल पर संयुक्त रणनीति बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाई गई जिसमें डेंगू की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपायों पर चर्चा की गई। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. संतोष कुमार ने कहा कि हम सभी मिलकर आपस में तालमेल बनाकर सेवन प्लस वन कार्यक्रम संचालित करेंगे जिसमें डेंगू सेवन प्लस अभियान के तहत एक बहूउद्देश्य टीम का गठन किया गया जिसमें एम्स ऋषिकेश के यू.पी.एच.सी सेंटर से ए.एन.एम, और आशा तथा वरिष्ठ नागरिक कल्याण संगठन के सदस्य, पार्षद और कम्युनिटी के सदस्य नगर निगम के कर्मचारी, राजकीय चिकित्सालय से लैब टेक्नीशियन तथा स्थानीय स्कूल एन.जी.ओ के साथ मिलकर एक टीम बनाई गई है। जिनको डेंगू के बारे में डॉक्टर संतोष द्वारा विस्तार से बताया गया है इस अभियान के तहत ऋषिकेश के ऐसे स्थानों को चुना गया है जो डेंगू संभावित क्षेत्र और हॉटस्पॉट बने हुए हैं यह क्षेत्र निम्नलिखित है सर्वहारा नगर मायाकुंड शांति नगर बापू ग्राम 20 बीघा बाल्मिकी बस्ती और चंद्रेश्वर नगर आदि को चुना गया है। और हर बस्ती में ऐसी बहूउद्देश्य टीम बनाई गई है और कल से सात दिन तक डेंगू का यह कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह है कि टीम द्वारा घर-घर जाकर लोगों को डेंगू के प्रति जगाना और सजग करना है और बढ़ रहे डेंगू के केस को चिन्हित करना भी है।

जैसा कि पिछले कुछ वर्षों से डेंगू वायरस मानव मानव जाति के लिए एक अभूतपूर्व खतरा रहा है विभिन्न विषयों में मानव प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करने की अनूठी प्रवृत्ति होती है जो न केवल व्यक्ति के लिए एक गंभीर खतरा बन जाती है बल्कि यह मौजूदा स्वास्थ्य प्रणाली के लिए एक चुनौती बनती जा रही है कोविड-19 महामारी के भयावह हमले पर जीत हासिल करने के लिए हमें एक ही वायरस पर ध्यान केंद्रित केंद्रित करने के लिए मजबूर किया गया है लेकिन यह सच नहीं है महामारी का इतिहास इस बात का गवाह है कि इंसान में इस तरह के वायरस संक्रमण होते हैं डेंगू वायरस संभावित सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है जो हर साल मानसून के मौसम के दौरान दरवाजा खटखटाता है|डेंगू का मच्छर घरेलू परिस्थितियों में इंसान को काटता है फिर किसी भी मानव निर्मित कंटेनर मैं पैदा होते हैं जिसमें पानी की थोड़ी सी मात्रा भी मच्छरों को पनपने में सहयोग करता है ठहरे हुए पानी टायर कूलर फूलदान मच्छरों के पनपने के स्थान हैं और इन सब पर ध्यान दिया जा सकता है की एक एकत्र हुए पानी को साफ करके और विशेष रुप से बरसात के मौसम में मच्छरों के प्रजनन स्थल को नष्ट कर दे|

डेंगू के लक्षण :- अचानक तेज बुखार, सर में दर्द, आंखों के पिछले हिस्से में दर्द, आंखों को हिलाने में दर्द, मांसपेशियों में जकड़न, जोड़ों में अत्यधिक दर्द, कमजोरी लगना, भूख कम लगना, जी मचलाना, उल्टी आना,डेंगू के गंभीर मामलों में मसूड़ों / मुंह / नाक आदि से खून आना |

डेंगू से बचाव:- घर के आस-पास साफ सफाई रखें नालियों, गड्ढों, रूम कुलर,टूटी बोतले,पुराने टायर व डिब्बो में पानी एकत्रित ना होने दे | फ्रिज के पीछे लगी पानी की ट्रे को भी प्रतिदिन खाली कर कर दें पानी की टंकी तथा बर्तनों को सही तरीके से ढक कर रखें| खिड़की और दरवाजे पर महीन जाली लगाकर मच्छरों को अंदर आने से रोके | मच्छर को भगाने व मारने के लिए मच्छर नाशक क्रीम स्प्रे आदि का प्रयोग करें| पूरे आस्तीन के कपड़े पहने| अंडे से पूर्ण मच्छर में विकसित होने में मच्छर का जीवन चक्र केवल 7 दिन का होता है| हम स्वच्छता और प्रजनन स्थल को नष्ट करके मच्छरों के जीवन चक्र को तोड़ने में सक्षम हो सकते हैं| मच्छर के बढ़ने के लिए आदर्श तापमान उच्च आर्द्रता के साथ उच्च तापमान उपयुक्त होता है जो मच्छर को तेजी से बढ़ने देता है इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए एम्स, ऋषिकेश के सामाजिक आउटरीच सेल के डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व में सेवन प्लस वन कार्यक्रम की अवधारणा विकसित की है इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एक एक समुदाय में एक प्रशिक्षत बहू-अनुशासनात्मक टीम बनाना है जो सीधे समुदाय के हर एक घर पर कदम रखते हुए उन्हें डेंगू जैसी समस्याओं से अवगत करा सकते हैं जो उनकी अस्वच्छता और अशुद्धता से उत्पन्न होती हैं कार्यक्रम पहले चरण में सात दिनों की अवधि के लिए शुरु किया गया था और उसके बाहर सप्ताह में एक दिन ए एन एम् आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ स्थानीय नेताओ और स्वास्थ कार्यकर्ताओ के साथ आगे बढ़ाया गया ये निम्नलिखित चरण हैं जिनका हम सेवन प्लस कार्यक्रम में पालन करते हैं-

1. उच्च जोखिम वाले क्षेत्र की मैपिंग और स्केचिंग|
2. हॉट स्पॉट प्रजनन स्थलों की पहचान|
3. बहु विषयक दल का गठन और उनका गहन प्रशिक्षण|
4. डेंगू संभावित समुदाय वो क्षेत्रों में जन जागरूकता अधिगम|
5. डेंगू के सामाजिक कारण के लिए समुदाय में जागरुकता|
6. डेंगू संबंधित जानकारी एवं क्रियांवयन हेतू लोगों का व्यवहार परिवर्तन|
7. टीम के साथ प्रजनन स्थलों का सामूहिक विनाश एवं कीटनाशक का उचित प्रयोग|

इस गतिविधि को बनाए रखने के लिए निरंतर आईसी व्याख्यान ऑडियो विजुअल और मीडिया जो कम से कम लोगों को डेंगू के लिए सप्ताह में एक दिन काम करने के लिए जागरुक करता है पूरे एम्स ऋषिकेश में डेंगू के नियंत्रण के लिए यह कार्यक्रम चल रहा है जिसमें डेंगू की रोकथाम के लिए पर्याप्त कीटनाशक

दवाओ का छिड़काव घरों के भीतर एकत्र ताजा पानी को साफ किए जाने सभी तरह के बुखार पीड़ित व्यक्तियों की रक्त जांच और घर घर में जाकर डेंगू से बचाव के लिए जागरुक किया जाएगा |

डॉ. संतोष कुमार (सह - आचार्य)
नोडल अधिकारी सोशल आउटरीच सेल
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
एम्स,ऋषिकेश